चीनी-दूध व कृषि जिंस भी ढोएगा रेलवे

रेलवे की है कई और जिंसों को मालभाड़ा व्यवसाय से जोड़ने की योजना

अनुषा सोनी
नई दिल्ली, 4 जुलाई

भारतीय रेलवे अपने मालभाड़ा खंड में विविधता लाने की संभावना तलाश रहा है। रेलवे अपने मालभाड़ा खंड में बदलाव लाने के लिए अब चीनी, दूध और कृषि उत्पादों जैसी 17 और जिंसों में संभावना तलाश रहा है।

राजस्व प्राप्ति के लिए पांच जिंसों की ढुलाई पर अत्यधिक निर्भरता के लिए अक्सर आलोचना सहने वाले रेलवे ने अब अपनी मालभाड़ा व्यवस्था में विविधता लाने की योजना बनाई है। रेलवे की यह रणनीति उस समय एक बड़ा बदलाव ला सकती है जब माल की ढुलाई में रेलवे की भागीदारी घट कर महज 33 फीसदी रह गई है जबकि 1950 के दशक में यह लगभग 90 फीसदी पर थी।

आगामी रेल बजट में रेलवे अपनी लदान क्षमता बढ़ाने के लिए अधिक क्षमता वाले वैगन (डिब्बों) की खरीद की घोषणा कर सकता है। उदाहरण के लिए, अधिक क्षमता वाले दुग्ध वैगन की खरीद की योजना बनाई जा रही है जिससे लदान क्षमता मौजूदा 40,000 लीटर से बढ़ कर प्रति वैगन लगभग 45,000 लीटर हो जाएगी।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया, 'देश में दुग्ध उत्पादन बढ़ा है और हम कृषि उत्पादों और चीनी पर लंबी दूरी की ढुलाई के अवसर काफी हद तक गंवा चुके हैं। आने वाले समय में हमने इन जिंसों में संभावना तलाशने की योजना बनाई है।'

विश्लेषकों ने इस पहल का स्वागत किया है और कहा है कि यह समय की जरूरत है और 2014-15 के बजट लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी है जिसे सिर्फ थोक जिंसों पर निर्भरता के जरिये हासिल नहीं किया जा सकेगा। रेलवे विश्लेषक अखिलेश्वर सहाय ने कहा, 'दुनिया में हमारी मालभाड़ा दरें सर्वाधिक दरों में शुमार हैं, लेकिन हमें दरों में अधिक वृद्धि किए बगैर मालभाड़ा व्यवसाय मजबूत बनाने के लिए अपने मालभाड़ा खंड में विविधता लाने की जरूरत होगी।'

मौजूदा समय में कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और उर्वरक जैसी पांच थोक जिंसों का भारतीय रेलवे की कुल माल ढुलाई में 95 फीसदी से अधिक का योगदान है।

दक्षता बढ़ाने के साथ जिंसों की ढुलाई में विविधता विभिन्न प्रयासों में से एक है। निजी कंपनियों के साथ भागीदारी में लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन की स्थापना भी प्राथमिकता सूची में है जिसके जरिये सड़क एवं रेल दोनों के इस्तेमाल के साथ जिंसों को गंतव्य स्थल तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

भारतीय रेलवे में जिंस-वार आय एवं लदान

	लदान (करोड़ टन)	आय (13-14)
कोयला	50.810	39987.15
लौह अयस्क	12.425	9163.67
सीमेंट	10.981	8665.32
अनाज	5.438	7894.39
पेट्रोलियम तेल	4.194	5405.37
पिग आयरन एवं तैयार इस्पात	3.855	5805.33
उर्वरक	4.438	4535.89
कच्चा माल	1.733	1560.81
कंटेनर सेवाएं	4.360	4339.62
अन्य सामान	7.121	6111.29

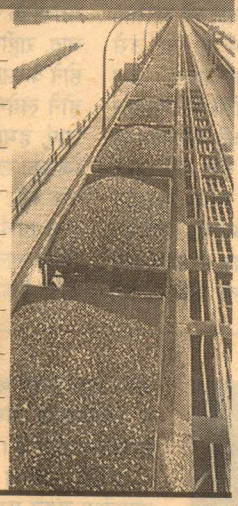

बदलाव की तैयारी

- मालभाड़ा खंड में बदलाव लाने के लिए अब चीनी, दूध की ढुलाई पर ध्यान केंद्रित करेगा रेलवे
- माल की ढुलाई में रेलवे की भागीदारी घट कर महज 33 फीसदी रह गई है जबकि 1950 के दशक में यह लगभग 90 फीसदी थी
- आगामी रेल बजट में रेलवे लदान क्षमता बढ़ाने के लिए अधिक क्षमता वाले वैगन (डिब्बों) की खरीद की हो सकती है घोषणा

Business Standard
5/7/14